Green Planet
SINCE 2002

# ग्रीन मोर्निंग

## मिशन : धरती माँ को बचाओ

अक्टूबर-2024

पॉवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | ओर्गो प्लैनेट | हर्बकोस

ई-पत्रिका VOL: IX

Green Planet
SINCE 2002

# विषय सूची


| | | | |
|---|---|---|---|
| तुलसी ड्रॉप्स | 01 | कृषि उत्पाद | 02 |
| पॉवर प्लांट ग्रो | 03 | जलवायु परिवर्तन | 04-05 |
| हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स | 06 | कफ सिरप | 07 |
| पशुचिकित्सक की देखभाल | 08 | मिनरल मिक्सचर | 09 |
| सर्वोत्तम परिणाम | 10 | किंग लेवल | 11 |
| रूबी लेवल | 12 | कोरल | 13 |
| क्रांति मीट | 14 | कोरल मीट | 15 |
| कैनोपी डे | 16 | | |

हर्बन्यूट्स®

# तुलसी ड्रॉप्स

सर्दी, बुखार, शरीर के परजीवी संक्रमण और सिरदर्द का इलाज करता है

- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं
- एंटी ऑक्सीडेंट गुण
- खांसी और सर्दी से राहत दिलाएं
- श्वसन स्वास्थ्य का निर्माण करें

तुलसी एक प्राचीन आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है जो कई स्वास्थ्य विकारों के इलाज के लिए अपने औषधीय गुणों के लिए लोकप्रिय है। तुलसी को जड़ी-बूटियों की रानी कहा जाता है। भारत में यह पौधा लगभग हर घर में मिल जाएगा। यह जीवन की दीर्घायु को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है और अपने समृद्ध एंटीऑक्सीडेंट और एडाप्टोजेनिक गुणों के कारण इसने लोकप्रियता हासिल की है। यह दिमाग और शरीर के बीच संतुलन लाता है और तनाव संबंधी समस्याओं को रोकने में भी मदद करता है।

Green Planet
SINCE 2002

# कृषि उत्पाद

## पौधों की वृद्धि के लिए संतुलित पोषण

## जैविक संरक्षण आपकी फसलों के लिए

## क्या आप अपनी फसल के विकास का रहस्य जानना चाहते है |

पॉवर प्लांट ग्रो का उपयोग करने से पौधों की वृद्धि में बहुत मदद मिलती है। यह प्राकृतिक तत्वों से बना होता है जो मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाता है और पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। पौधों द्वारा आवश्यक अधिकांश पोषक तत्व मिट्टी से प्राप्त होते हैं। नई कोशिकाओं का निर्माण, जो बाद में पौधे के ऊतकों में व्यवस्थित होते हैं, पोषक तत्वों द्वारा सहायता प्राप्त होती है। पोषण के बिना पौधे का विकास और जीवित रहना असंभव है। तने और जड़ें ही वह जगह हैं जहाँ पौधे बढ़ने लगते हैं।पौधे के वानस्पतिक चरण में, पावर प्लांट ग्रो का उपयोग किया जाता है।

प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हार्मोन और एंजाइम के साथ अद्वितीय तरल जैविक खाद जो प्रकाश संश्लेषण को बढ़ावा देती है और पौधे के शुद्ध अवशोषण को बढ़ावा देती है। पौधे के विकास और वृद्धि को प्रभावित करने वाले कार्बनिक यौगिक पौधे के हार्मोन में पाए जाते हैं। ऑक्सिन, जिबरेलिन (GA), और एब्सिसिक एसिड पौधों द्वारा उत्पादित कुछ हार्मोन हैं। नाइट्रोजन, फास्फोरस और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स (सूक्ष्म पोषक तत्व) खनिज हैं जो पौधों की वृद्धि में सहायता करते हैं।

1.नाइट्रोजन (Nitrogen) उर्वरक नाइट्रोजन पौधों की पत्तियों को हरा और स्वस्थ बनाता है। यह पौधों की जड़ों और तनों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

2.फॉस्फोरस (Phosphorus) उर्वरक फॉस्फोरस पौधों की जड़ों को मजबूत बनाता है और पौधों की फूल और फल बनने की क्षमता को बढ़ाता है।

3. पौधों की वृद्धि के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, के अलावा कुछ सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी जरूरत होती है, जैसे जिंक, आयरन, तांबा आदि। इनकी कमी से पौधों की बढ़त रुक जाती है और पत्तियों का रंग पीला हो जाता है।

पावर प्लांट ग्रो एक सुरक्षित और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ तरीका है। यह उत्पाद की पोषण सामग्री, स्थिरता और स्वाद को बढ़ाता है। यह मिट्टी की उर्वरता और उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है। मिट्टी में कोई अवशेष जमा नहीं होता। पौधे पाले और अत्यधिक तापमान के प्रति प्रतिरोधी होते हैं।

**लाभ:**

- यह पर्यावरण के लिए अच्छा है।
- यह पूरी तरह से जोखिम-मुक्त है।
- सभी पौधों पर, यह प्रतिक्रियाशील है।
- अंतिम उपज में सुधार होता है
- उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने से उत्पादकता में वृद्धि होती है।
- भोजन आंखों को अधिक आकर्षक और तालू को अधिक स्वादिष्ट लगता है।

खुराक: 2-3 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करें
सावधानी: सीधे किसी भी रसायन के साथ न मिलाएं।

Green Planet®
SINCE 2002



# जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर प्रभाव

जलवायु परिवर्तन आज दुनिया भर के किसानों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह पर्यावरण में हो रहे उन बदलावों को दर्शाता है जिनसे तापमान, वर्षा और मौसम के पैटर्न बदल रहे हैं। इन बदलावों का सीधा असर हमारे कृषि उत्पादन पर पड़ रहा है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ किसान अपनी फसल और आजीविका के लिए मौसम पर निर्भर होते हैं।

## जलवायु परिवर्तन के कारण:



**1. मानव गतिविधियाँ:** कारखानों से निकलने वाला धुआं, गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण और पेड़ों की कटाई जैसी गतिविधियाँ वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ा रही हैं। इससे धरती का तापमान बढ़ रहा है।

**2. ग्लोबल वार्मिंग:** पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है। इससे मौसम में असंतुलन पैदा हो रहा है। गर्मी ज्यादा हो रही है, ठंड कम हो रही है और बरसात का समय भी बदल रहा है।

## कृषि पर प्रभाव:



1.फसल उत्पादन में गिरावट: मौसम के अनियमित होने से फसलों को सही समय पर पानी और सूरज की रोशनी नहीं मिल पाती। इससे उत्पादन में गिरावट आती है। उदाहरण के तौर पर, अगर सही समय पर बारिश नहीं होती, तो धान और गेहूं जैसी फसलें प्रभावित हो जाती हैं।

2.सूखे और बाढ़ की समस्या: कहीं बहुत ज्यादा बारिश हो रही है, तो कहीं बिलकुल भी नहीं। इससे बाढ़ और सूखे जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे फसलें खराब हो जाती हैं और किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

3.कीट और बीमारियों का बढ़ना: बदलते मौसम के कारण कीट और बीमारियाँ ज्यादा फैलने लगी हैं। तापमान बढ़ने से कुछ कीट जैसे टिड्डियाँ तेजी से फैलती हैं और फसलों को नुकसान पहुँचाती हैं।

4.पशुपालन पर असर: गर्मी बढ़ने से जानवरों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। दूध उत्पादन कम हो जाता है, और जानवरों में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

## उपाय

1.जल संरक्षण: जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए किसानों को जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए। जैसे बारिश के पानी को संग्रहित करना और ड्रिप सिंचाई जैसी विधियों का उपयोग करना।

2.सस्टेनेबल कृषि पद्धतियाँ: किसानों को फसल चक्र (क्रॉप रोटेशन) और जैविक खाद का उपयोग बढ़ाना चाहिए। इससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और उत्पादन बेहतर होता है।

3.जलवायु-अनुकूल फसलें: किसानों को ऐसी फसलों की खेती करनी चाहिए जो कम पानी में भी अच्छी उपज देती हैं। जैसे बाजरा, ज्वार और दालें।

4.सरकारी योजनाओं का लाभ: सरकार किसानों के लिए कई योजनाएं चला रही है जो जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने में मदद करती हैं। जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलवायु अनुकूल खेती योजना आदि। किसानों को इनका पूरा लाभ उठाना चाहिए।

निष्कर्ष: जलवायु परिवर्तन का असर हर किसान पर पड़ रहा है, लेकिन इसके प्रति जागरूक रह कर और सही उपाय अपनाकर हम इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। खेती में नई तकनीकों और सतत कृषि पद्धतियों का उपयोग करके किसान जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं और अपनी फसलों को सुरक्षित रख सकते हैं। आने वाले समय में खेती को जलवायु के अनुकूल बनाना जरूरी है ताकि किसानों की आजीविका सुरक्षित रहे और हमें पर्याप्त खाद्यान्न मिलता रहे।

Green Planet
SINCE 2002

# हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

- आयुर्वेदिक
- फ़ूड सुपप्लिमेंट्स
- ऍफ़ एम् सी जी
- पर्सनल केयर
- ब्यूटी केयर

Green Planet
SINCE 2002

हर्बन्यूट्स®

# कफ़ सिरप

## त्वरित कार्रवाई राहत के लिए

जब कोई चीज आपके गले में जलन पैदा करती है तो खांसी आपके शरीर का प्रतिक्रिया करने का तरीका है। सर्दी और खांसी श्लेष्मा झिल्ली की सूजन और अत्यधिक श्लेष्मा स्राव का मुख्य कारण है। बार-बार होने वाली खांसी और गले में खराश बहुत परेशानी पैदा कर सकती है और आपको रात की शांतिपूर्ण नींद में बाधा डाल सकती है, साथ ही आपको और थका हुआ महसूस करा सकती है। यदि आप लगातार खांसी से जूझ रहे हैं, तो संभवतः आपके सीने में बलगम जमा हो गया है जो आपके स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। ग्रीन प्लैनेट' कफ सिरप बनक्षा, उनाव, मुनाका, मुलेठी, सौंफ, अंजीर, कंटकारी, काइफल, लहसुरा, सोमलता, वसाका तुलसी, गिलोय आदि जैसी शक्तिशाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के मिश्रण से बना है। यह एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-वायरल से भरपूर है। , एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-बायोटिक गुण से बरपुल है | कफ सिरप सूखी खांसी, गीली खांसी, गले में दर्द, गले में खराश और एलर्जी वाली खांसी को प्रबंधित करने में मदद करता है। यह श्वसन तंत्र के लिए प्राकृतिक सुरक्षा के रूप में कार्य करता है। ग्रीन प्लैनेट का कफ सिरप आपको तुरंत राहत देता है और खांसी के मूल कारण पर काम करना शुरू कर देता है। यह नींद न आने वाले फ़ॉर्मूले के साथ आता है, इसलिए इसे पीने के बाद आपको नींद नहीं आएगी।

## लाभ

- फेफड़ों के ऊतकों को मजबूत करता है और फेफड़ों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।
- बलगम को कम करता है और श्वसन स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।
- जीवाणुरोधी और एंटीवायरल, यह संक्रमण के जोखिम को कम करता है।

Green Planet
SINCE 2002

# वेट केयर

## प्रोडक्ट्स

### आपके लिए समाधान मवेशियों की जरूरतें

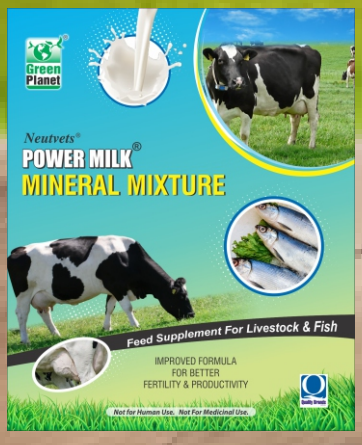

# पशु आहार में छुपी भूख का समाधान: मिनरल मिक्सचर

पशु भोजन में छिपी हुई भूख जानवरों के स्वास्थ्य और उत्पादकता पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इन पोषण की कमी को समझकर और सही उपाय करके किसान और पशुपालन अपने मवेशियों की समग्र भलाई और प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

छिपी हुई भूख पशु भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी को संदर्भित करता है, जो कि स्वस्थता, वृद्धि और उत्पादकता के लिए जरूरी होते हैं, भले ही जानवर ठीक से खा रहे हों। यह समस्या पशुओं के प्रदर्शन और समग्र कल्याण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

खनिज मिश्रण पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। ये संरचनात्मक अखंडता, चयापचय प्रक्रियाओं, प्रजनन, प्रतिरक्षा प्रणाली और समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। पशुओं को उचित मात्रा में खनिजों का संतुलन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

खनिज मिश्रण का उपयोग आमतौर पर किसान अपने पशुओं को पूर्व मिश्रित मिश्रण के रूप में खनिज प्रदान करने के लिए करते हैं। जानवरों को न्यूटवेट के पावर मिल्क मिनरल मिक्सचर से लाभ होता है, जो अपनी तरह का अनोखा मिश्रण है। यह एक आहार अनुपूरक है जिसमें जानवरों को स्वस्थ रहने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज, विटामिन और प्रोबायोटिक्स शामिल हैं। पोषक तत्वों को उनके कार्यों के आधार पर दो समूहों में वर्गीकृत किया गया है:

मैक्रोन्यूट्रिएंट्स - कैल्शियम और फास्फोरस

सूक्ष्म पोषक तत्व- लोहा, तांबा, जस्ता, मैंगनीज, क्रोमियम और सेलेनियम

खनिज मिश्रण में विटामिन, खनिज और खमीर चयापचय प्रक्रियाओं और बेहतर पशु प्रदर्शन में सहायता करते हैं। विटामिन पशुओं के पोषण को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। जानवरों के रुमेन किण्वन प्रणाली में आसमाटिक दबाव, पानी और विलेय विनिमय को बनाए रखने के लिए खनिज महत्वपूर्ण हैं। इस मिश्रण से पशुओं को लाभ होगा क्योंकि इससे डेयरी पशुओं में चारा सेवन और दूध उत्पादन में वृद्धि होगी। खनिज मिश्रण में जीवित खमीर से जानवरों को लाभ होता है। रुमेन किण्वन और पोषक तत्वों के पाचन पर उनके प्रभाव के कारण, खमीर देर से गर्भावस्था और प्रारंभिक स्तनपान के दौरान जानवरों के लिए उपयोगी हो सकता है। जुगाली करने वालों के पाचन तंत्र द्वारा भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। रुमेन किण्वन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा ग्रहण किया गया भोजन मेजबान के लिए ऊर्जा में परिवर्तित हो जाता है। कई मुद्दे जानवरों को प्रभावित करते हैं, जैसे बोवाइन रेस्पिरेटरी डिजीज कॉम्प्लेक्स (बीआरडीसी), बीआरएसवी (बोवाइन रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस), फुट एंड माउथ डिजीज, इत्यादि। खनिज मिश्रण में मौजूद विटामिन और खनिज जानवरों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने में मदद करते हैं जो आजकल बहुत आम हैं।

संपूर्ण, "न्यूटवेट का पावर मिल्क मिनरल मिक्सचर" आपके जानवरों के समग्र विकास के लिए एक सर्व-समावेशी समाधान है।

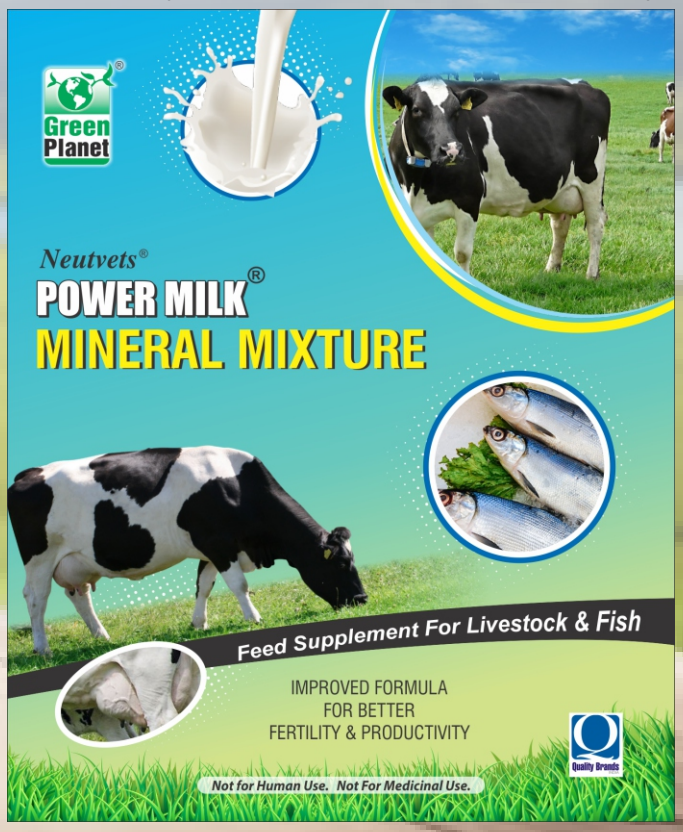


**खुराक:-**

बड़ा जानवर: 40-80 ग्राम. प्रति दिन

छोटा पशु: 20-80 ग्राम. प्रति दिन

पोल्ट्री: 500 ग्राम - 1 किग्रा. प्रति 100 किग्रा. चारा

जलीय चारा: 1 किग्रा. प्रति 100 किग्रा. खिलाना

# सर्वोत्तम परिणाम

मेरा नाम तानाजी पाटील है। तहमिल परंडा, जिला धाराशीव (उस्मानाबाद) महाराष्ट्र का किसान हूँ। मैंने तुअर और उड़द इन फसलों को पहली बार ग्रीन प्लैनेट के ऑर्गेनिक प्रोडक्टस जैसे कि पॉवर प्लांट भूमि पॉवर , प्रोम, एस.टी, ग्रो, नायट्रोकिंग, ब्लूम और स्प्रेड ऑल 90 का इस्तेमाल किया। इससे मुझे बहुत लाभ हुआ। ग्रीन प्लैनेट पॉवर प्लांट एस.टी बीज उपचार से बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ती है और एक समान अंकुरण होता है। भूमि पॉवर और प्रोम का उपयोग करने से फसल को सभी पोषक तत्व प्रदान हुए जिससे मेरी फसल इस इलाके में सबसे बढ़िया आई है। फिर मैंने इसका इस्तेमाल कुछ जगह में 3 एकड़ में सभी ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्टस इस्तेमाल किए वहाँ पर फसल बहुत बढिया आई और जहां 3 एकड पर सिर्फ स्प्रे किया वहाँ पौधों की वृद्धि एवं विकास हुआ है और जहाँ पर केवल रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किया वहाँ पर तो फसल बहुत खराब हो चुकी थी। मुझे मेरा दोस्त एक साल से ग्रीन प्लैनेट के उत्पाद इस्तेमाल करने के लिए बोल रहा था पर मैंने भरोसा नहीं किया पर उससे इस साल पहली बार ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स लेकर इस्तेमाल किए जिससे मुझे बहुत बढिया रिजल्ट मिले। मैं ग्रीन प्लैनेट के जैविक उत्पादों का इस्तेमाल करके बहुत खुश हूँ। अब मैं मेरी 40 एकड जमीन पर ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्टस इस्तेमाल कर रहा हूँ और मेरे सभी किसानो को भी इस्तेमाल करने के लिए बोलूंगा और मेरी सभी किसान भाईयों से बिनती है आप एक बार जरुर ग्रीन प्लैनेट ले आर्गेनिक प्रोडक्टस का इस्तेमाल करें और अपनी धरती माँ के इन जहरीली केमिकल से बचायें। धन्यवाद्

# आपकी सफलता के लिए बधाई

शान्मुख एम

मेरा नाम शान्मुख एम बनकर है | मैं कर्नाटक राज्य ज़िला हावेरी हिरेकरुर तालुक के चिक्कोनटी गाँव का रहने वाला हूँ | मैं ग्रीन प्लैनेट के मिशन "Save the Mother Earth" से कई सालो से जुड़ा हुआ हूँ |मैंने जब ग्रीन प्लैनेट का नाम सुना तो मैंने उसके बारे में पूरी जानकारी ली और एक निर्णय लिया, जिसने मेरी पूरी जिन्दगी को पूरी तरह से बदल दिया |मेरी अंधेरी जिन्दगी रौशनी से भर उठी | फिल्ड में जाकर जब मुझे अच्छे परिणाम मिले तब मेरा आत्म विश्वास और बढ़ गया| मैं गाँव- गाँव जा कर किसानों से मिला और इस मिशन में मैंने किसानो को जोड़ा | ग्रीन प्लैनेट के Organic प्रोडक्ट्स से किसानो को अच्छी उपज मिली और किसानो को दोगुणा मुनाफा हुआ| इस मिशन के साथ जुड़ने से किसान भाईयो के बच्चो को अच्छा भविष्य मिल पाया है उनके बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ रहे है और आर्थिक स्थिति में सुधार आया है | मुझे आपको बताते हुए बहुत ख़ुशी हो रही है कि मैं अपने जैसे कई मध्यम वर्ग के किसान परिवारों के लिए एक मजबूत आधार हूँ | मेरी ईमानदारी और मेहनत रंग लाई | फिर मेरे धीरे- धीरे सपने पूरे होने शुरू हुए| मेरी पूरी टीम का आशीर्वाद होने के कारण मैंने King Level requalify प्राप्त कर लिया है | आज मेरे पास सब कुछ है जो मेरे पास होना चाहिए| ग्रीन प्लैनेट कंपनी एक मुश्किल वक्त में किसान भाईयो के साथ है | मैंने यह साबित किया है कि कम पढ़े लिखे होकर भी अधिक आय प्राप्त कर सकते है | मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ , अपने दोस्तों और किसान भाईयों का जिनकी वजह से यह सब कुछ संभव हो पाया है |

KING

# रूबी एग्जीक्यूटिव

विशाल कुंडलिक चव्हाण

मेरा नाम विशाल कुंडलिक चव्हाण है | मैं गाँव करेगाव , तालुका - लोणार ,ज़िला - बुलढाणा का रहने वाला हूँ | हमारे घर के हालात बहुत खराब थे ,पिता जी खेती करते थे, लेकिन पिता जी की इच्छा थी कि मुझे जिंदगी में बहुत बडे मुकाम तक पहुँचू, जहाँ हमे सारी खुशिया मिले सके इसलिए वह बहुत मेहनत करते थे हमे पढ़ाने के लिए,लेकीन खेती का उत्पादन कम था , इस कारण गरीबी से झुंज रहे थे ,फिर एक दिन पिता जी को उनके मित्र ने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने को कहा | ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स के बढिया रिजल्ट के कारण मिशन "धरती माँ को बचाओ" में शामिल हो गये | किसान हर बार की फसल के लिए ग्रीन प्लैनेट प्रॉडक्ट्स मागने लगे, पिता जी ने मेरे करियर को बढिया बनाने के लिये ग्रीन प्लैनेट मिशन को बढिया अवसर समजकर मिशन आगे बढाने के लिय मेरे मिशन के साथ जोड़ा ,दीन ब दीन किसान जुड़ने लगे ,हमारे परिस्थिती मे बदलाव आने लगे ,धीरे धीरे मैंने स्टार कोरल और स्टार रुबी लेवल ब्रेक कर लिया, अब मैंने फिर से रुबी लेवल (REQUALIFY) ब्रेक कर लिया है , ग्रीन प्लैनेट मिशन के कारण साल मे 12 से 15 लाख रु की इन्कम अभी हम कमा रहे हैं |मैंने इस महीने नई कार खरीदी है| देश विदेश में घुमना, 5 स्टार होटलल मे रहना ,मेरे सारे सपने पुरे हो रहे है , मैं धन्यवाद देना चाहूँगा ग्रीन प्लैनेट परिवार का, पिता जी का, मेरे मित्र का ,मेरी पूरी टीम का ,किसान भाइयो का इनका बहुत बढिया योगदान मुझे मिला है | धन्यवाद! जय ग्रीन प्लैनेट! जय ग्रीन प्लैनेट!

# कोरल

दिनेश श्रीराम सितरे

गनेश शिंदे

दुर्गा लाल यादव

वीजे गोते

# क्रांति 2.0

GREEN PLANET
MISSION : SAVE THE MOTHER EARTH
WELCOME TO

WELCOME TO
Kranti2.0
क्रांति

WELCOME TO


WELCOME TO

WELCOME TO
Kranti2.0
क्रांति

# कोरल मीट

GREEN PLANET
SSION : SAVE THE MOTHER EARTH
WELCOME TO
al Meet
EPTEMBER 2024,
Think Big,
Achieve
Bigger
GREEN PLANET
Coral Meet
Coral Meet






GREEN PLANET
Welcome to
Coral Meet
September 2024, Goa

# कैनोपी डे

Dentomine
Toothpaste
Slimming
Green Tea
Choco
Shake
THE GREEN PLANET
WELCOME
ALL THE FARMERS
Go for Organic Go for Green
Green Planet
Wide Network All Over
INDIA & ABROAD
Save The Mother Earth
Health Pack


WELCOME

Green Planet

SINCE 2002

# ग्रीन प्लैनेट बायो प्रोडक्ट्स

जी.पी पॉवर,1-अमर गार्डन नियर पठानकोट चौक जालंधर -पंजाब (144004.)
Customercare@greenplanetindia.com || www.greenplanetindia.com
Toll Free No : 1800-137-4699